भाजपा के पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ द्वारा

उत्तम सुरक्षा एवं सैनिक कल्याण विषयक घोषणा पत्र पर सम्मेलन

नई दिल्ली भारतीय जनता पार्टी के पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ द्वारा 16 अप्रैल 2009 को पार्टी मुख्यालय में ''उत्तम सुरक्षा एवं सैनिक कल्याण'' पर केन्द्रित भाजपा के घोषणापत्र पर एक सम्मेलन आयोजित किया गया।

मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं भाजपा प्रवक्ता श्री रविशंकर प्रसाद ने कहा कि देश के लिए सेना के लोगों ने जो कार्य किया है उसको मान्यता एवं प्रोत्साहन देना भाजपा का फर्ज है। हमारी थल सेना, वायु सेना और जल सेना किस प्रकार अपना दायित्व निभा रही है, यह बताने की आवश्यकता नहीं है, लेकिन यह देश का दुर्भाग्य है कि सेना के अधिकारी और जवान राष्ट्रपति को अपने पदक व सम्मान लौटा रहे हैं। जो सेना के जवान देश की सुरक्षा के लिए अपने प्राणों की बाजी लगाने में एक मिनट नहीं लगाते सेवानिवृत्ति के बाद यदि अपने अधिकारों और सुविधाओं की बात करते हैं तो इसमें क्या आश्चर्य है। आज सोनिया गांधी और प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह कंधार विमान अपहरण पर गलत बयानी कर रहे हैं, 200 निर्दोष लोग तालिबान के कब्जे में थे और स्थिति संकटपूर्ण थी, सर्वदलीय बैठक के बाद यह निर्णय लिया गया था, फिर जनता को क्यों गुमराह किया जा रहा है।

राजग सरकार द्वारा आतंकवाद पर नियंत्रण की बात करते हुए श्री रविशंकर प्रसाद ने कहा कि संसद पर हमले में पांच आतंकवादी मारकर ढेर कर दिए थे और एक अफजल गुरु को सर्वोच्च न्यायालय ने फांसी की सजा सुनाई है, जिस पर कांग्रेस ने ही मामला लटका रखा है। बटला हाउस कांड में एक ओर सरकार शहीद मोहनचंद शर्मा को शौर्य चक्र देती है, दूसरी ओर कांग्रेस के मंत्री और प्रवक्ता कपिल सिब्बल अनर्गल बातें करते हैं। जहां तक राजग या भाजपा का सवाल है तो वर्ष 1998 में हम पर सी.टी. बी.टी. पर हस्ताक्षर करने का अमेरिका का तीव्र दबाव था, पोखरन परीक्षण के समय मनमोहन सिंह जी कह रहे थे कि भारत की कमर टूट जाएगी, इस प्रकार राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर ऐसा दोहरापन ठीक नहीं है।

दिल्ली विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता प्रो. विजयकुमार मल्होत्रा ने कहा कि पहली बार जब कश्मीर में सेना और कबालियों ने आक्रमण किया था तो मैं स्वयंसेवक के रूप में वहां गया था। कश्मीर को भारत में शामिल होने के प्रस्ताव पर नेहरू जी ने तीन दिन लगा लिए थे। हमारे सैनिक रावलपिंडी तक पहुंच गये थे किन्तु नेहरू जी की नीति के

कारण आज सब कुछ सामने है। 1965 की लडाई में भी हमने सब कुछ जीत लिया था और 1971 में तो पाकिस्तान के 93000 सैनिक हमारे कब्जे में थे लेकिन उन्हें वापस भेज दिया गया जबकि पाकिस्तान से हम अपने 200 युद्व बंदी वापस नहीं ला सके। आज पूर्वोत्तर व कश्मीर की सीमा पर सैनिक बड़ी संख्या में और बुरी स्थिति में हैं। भारतीय जनता पार्टी ने सेना के मनोबल को ऊंचा रखने और पूर्व सैनिकों के कल्याण को प्राथमिकता देते हुए अपने घोषणापत्र में एक रैंक एक पेंशन, सैनिकों के लिए अलग वेतन आयोग तथा सैनिकों व पूर्व सैनिकों के वेतन व पेंशन को कर मुक्त रखने का प्रावधान किया है। परमवीर चक्र जैसे सम्मानों की पुरस्कार राशि को जो इस समय 500 से लेकर 3000 रुपये तक है उसे 5000 से 30000 रुपये तक करने का प्रस्ताव रखा है।

इस अवसर पर पूर्व सांसद और उत्तर–पूर्व लोकसभा सीट से भाजपा के प्रत्याशी पूर्व सैनिक श्री बैकुंठलाल शर्मा ''प्रेम'' ने कहा कि– शेर और सैनिक कभी बूढ़े नहीं होते। आज देश का असंख्य युवा वर्ग सेना में जाने से कतरा रहा है क्योंकि सुविधा कुछ नहीं है और आतंकवाद के खतरों और जोखिमों की कोई कमी नहीं है –

बुलबुलों अगर तुम्हारा चमन लुट गया
तो चहचहाने कहां जाओगे ?

श्री प्रेम ने कहा कि – शास्त्र की रक्षा भी शस्त्र बिना नहीं होगी। इस देश को केवल तीन एस (S) बचा सकते हैं। वह हैं – 1. स्वयंसेवक, 2. संत, 3. सैनिक।

सैनिकों का स्मरण करते हुए उन्होंने कहा कि –

न गजल से चलती है न दोहे से चलती है,
ये सल्तनत तो बस लोहे से चलती है।।

पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ के संयोजक ब्रिगेडियर डा. बी. डी. मिश्रा ने कहा कि – देश को स्वतंत्रता अहिंसा और सत्याग्रह पर मिली, ये एक प्रकार का जादुई चिंतन था। बिडंबना यह है कि हम पर 15 अगस्त 1947 से ही पड़ोसी देश के आक्रमण शुरू हो गए थे। 14 अगस्त 1947 को स्वतंत्र होते ही पाकिस्तानी सेना ने कबालियों के साथ मिलकर आक्रमण कर दिया था। नेहरू जी के समय में दो आक्रमण हुए लेकिन वे सेना को अनुपयोगी मानते थे। उनका विचार था कि कैप्टन अथवा मेजर जैसे पदों के बजाय सेना में उपनिरीक्षक रखने चाहिए। इसी प्रकार राजीव गांधी ने श्रीलंका में शांति सेना के बहाने कई निर्दोष जवानों को मरवाया।

डा. मिश्रा ने भाजपा के घोषणापत्र में ''उत्तम सुरक्षा एवं सैनिक कल्याण'' पर समाहित सैनिकों व पूर्व सैनिकों की सेवा सुविधाओं को शामिल करने के लिए पार्टी नेतृत्व की प्रशंसा की।